भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3309

उत्तर देने की तारीख 12.03.2026

"आदि संस्कृति" डिजिटल अधिगम मंच

†3309. श्री मनीष जायसवाल:

क्या **जनजातीय कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा शुरू किए गए "आदि संस्कृति" डिजिटल अधिगम मंच की हजारीबाग और रामगढ़ जैसे जिलों सहित झारखंड राज्य के जनजातीय समुदायों के विशेष संदर्भ में वर्तमान स्थिति क्या है और इसके बीटा संस्करण में शामिल प्रमुख घटक क्या हैं;

(ख) क्या झारखंड के संस्थानों सहित किसी भी जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) या अन्य संस्थानों ने मंच के विकास, प्रलेखन या सामग्री चयन में भाग लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने झारखंड राज्य के तथा हजारीबाग और रामगढ़ जिलों के जनजातीय युवाओं को प्रमाणन या अनुसंधान के अवसर प्रदान करने के लिए इस मंच को पूर्ण विकसित जनजातीय डिजिटल विश्वविद्यालय में विस्तारित करने के लिए कोई रूपरेखा तैयार की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क): जनजातीय कला रूपों और विरासत के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म "आदि संस्कृति" का बीटा संस्करण 10 सितंबर 2025 को शुरू किया गया था। 'आदि संस्कृति' का नाम बदलकर 'ट्राइबएक्स' कर दिया गया है और इसमें निम्नलिखित घटक शामिल हैं:

- डिजिटल ई-लर्निंग अकादमी - जनजातीय चित्रकला, संगीत, वस्त्र, कलाकृतियाँ और कौशल निर्माण आदि पर संरचित ऑनलाइन शिक्षण मॉड्यूल के रूप में डिजिटल पाठ्यक्रम डिज़ाइन किए गए हैं।

- सामाजिक-सांस्कृतिक भंडार (रिपॉजिटरी) - एक डिजिटल संग्रह जिसमें कला, संगीत, वस्त्र और कलाकृतियों जैसे विषयों पर जनजातीय विरासत से संबंधित 5,000 से अधिक संकलित दस्तावेज होंगे।
- ऑनलाइन मार्केटप्लेस - ट्राइबल कोऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ट्राइफेड) से जुड़ा हुआ एक ई-कॉमर्स इंटरफेस है, ताकि जनजातीय कारीगर अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं को प्रदर्शित कर सकें और बेच सकें।

झारखंड के जनजातीय समुदायों के संदर्भ में, सोहराई और डोकरा कला पर डिजिटल पाठ्यक्रम विकसित किए गए हैं, जिनमें क्षेत्र के जनजातीय कलाकारों के वीडियो आधारित निर्देशात्मक मॉड्यूल शामिल हैं। इसमें इन दोनों कला रूपों से संबंधित अन्य दस्तावेज भी संग्रह में शामिल किए जाएंगे।

(ख): इस मंच (प्लेटफॉर्म) को जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा राज्य जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है ताकि सामग्री, विकास और सामग्री संकलन के सटीक और प्रामाणिक दस्तावेजीकरण को सुनिश्चित किया जा सके। झारखंड के संदर्भ में, जनजातीय अनुसंधान संस्थान - झारखंड ने राज्य की कला शैलियों के प्रलेखन और विकास में योगदान दिया है।

(ग): जी हां। सरकार का दीर्घकालिक दृष्टिकोण इस मंच (प्लेटफॉर्म) को एक पूर्ण विकसित डिजिटल विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने का है, जो प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान करेगा। आवश्यकता पड़ने पर, राज्य जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) और अन्य संस्थानों के सहयोग से इस मंच का चरणबद्ध तरीके से विस्तार किया जाएगा, जिसमें अतिरिक्त पाठ्यक्रम और संग्रह शामिल होंगे।

*****